खण्ड-6, अंक-1, वर्ष-2018, मु0पृ0 25-27, D.O.I. : 10.22445/avsp.v6i1.13891 शोध पत्र

मानविकी और विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों में पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन

राजीव कुमार सिह[1] एवं भूपाल सिंह[2]
[1]असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गणित विभाग, [2]असिस्टेन्ट प्रोफेसर, बी0एड्0 विभाग
पी0बी0 पी0जी0 कॉलेज, प्रतापगढ़ सिटी–230002, उ0प्र0, भारत
dr.rajeevthakur2012@ gmail.com

प्राप्त तिथि– 23.08.2018, स्वीकृत तिथि–10.10.2018

सार– प्रस्तुत अध्ययन प्रतापगढ़ जनपद(उ0प्र0) के हाईस्कूल स्तर के मानविकी एवं गणित संवर्ग के विद्यार्थियों में पाठ्येत्तर क्रिया–कलापों में उनकी सहभागिता पर था। अध्ययन से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर विश्लेषण करने से ज्ञात हुआ कि विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी, मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों से अभिनय क्रिया, स्काउट, वृक्षारोपण, प्रदर्शिनी, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सदृश्य गतिविधियों में बेहतर पाये गये जबकि दोनों संवर्गों के विद्यार्थियों को समान सहभागिता के अवसर प्रदान करने पर भी खेल एवं क्रीड़ा, संगीत, शारीरिक प्रशिक्षण, योग, भाषण तथा सामुदायिक कार्यों में मानविकी वर्ग के विद्यार्थी विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों से अच्छे पाये गये। विद्यालयों में मानविकी संवर्ग के अधिकांश विद्यार्थी अनुपयोगी वार्तालाप तथा कॉमिक्स पढ़ने में व्यस्त पाये गये जब कि विज्ञान वर्ग के अधिकांश विद्यार्थी कक्षा कार्यों, चित्र व माडल निर्माण, चार्ट के निर्माण में संलग्न पाये गये।

बीज शब्द– मानविकी व विज्ञान संवर्ग, पाठ्य सहगामी क्रियायें, सहभागिता व तुलनात्मक अध्ययन ।

A comparative study of co-curricular activities of Humanities and Science students

Rajeev Kumar Singh[1] and Bhupal Singh[2]
[1]Assistant Professor, Department of Mathematics, [2]Assistant Professor, Department of B.Ed.
P.B. P.G. College, Pratapgarh City-230002, U.P., India
dr.rajeevthakur2012@ gmail.com

Abstract– The aim of present study was to find out participation in co-curricular activities of Humanities and Science group students of Pratapgarh district at High School level. On the basis of analysis of data and interpretation it was observed that science students are better than Humanities students in dramatic activities, scouting, gardening, exhibition and sanitation work, whereas Humanities students were better in sports and games, Musical activities, physical activities, debates, community work and excursion. The majority of Humanities students mostly participated in gossips, reading magazines whereas majority of science (math) students mostly participated in preparing chart, diagrams doing class-work etc.

Key words- Humanities and Science stream, Co-curricular activities, participation and comparative analysis.

1. **परिचय–** वर्तमान शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में पाठ्य सहगामी क्रियायें विद्यार्थी के पाठ्यक्रम का अविभाज्य अंग बन गयी है। बालक के शारीरिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए बौद्धिक एवं शैक्षिक क्रियाओं की भाँति पाठ्य सहगामी क्रियायें अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन कर रही हैं। इसी लिए बालक के व्यक्तित्व के सम्पर्ण विकास में पाठ्येत्तर क्रिया–कलाप उतना ही आवश्यक है जितना कि बौद्धिक क्रिया–विधि। बालक के स्व तथा वैयक्तिक व सामाजिक विकास के लिए पाठ्य सहगामी क्रियाओं की व्यवस्था और उचित वातावरण उसमें नेतृत्व की क्षमता का विकास करती है। अतः प्रत्येक शिक्षा संस्थान में पाठ्य क्रियाओं के साथ–साथ पाठयेत्तर व पाठ्य–सहगामी क्रियाओं की सहभागिता सुनिश्चित करना अपरिहार्य तथा अनिवार्य कार्य होना चाहिए।[1–3]

2. **अध्ययन के उद्देश्य–** प्रस्तुत अध्ययन में निम्नांकित उद्देश्यों को चयनित किया गया है–

(क) हाईस्कूल स्तर के विज्ञान व मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों में पाठ्य सहगामी क्रियाओं की सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(ख) हाईस्कूल स्तर के छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता का सार्थकता परीक्षण करना।

3. **अध्ययन हेतु परिकल्पना–** प्रस्तुत अध्ययन हेतु निम्नांकित परिकल्पनायें कल्पित की गयी है–

(अ) हाईस्कूल स्तर के विज्ञान एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के पाठ्य सहगामी क्रियाओं की सहभागिता में सार्थक अन्तर नहीं है।

(ब) हाईस्कूल स्तर के छात्र–छात्राओं के पाठ्य सहगामी क्रियाओं में कोई समानता नही है।

4. **शोध क्रिया विधि–**

i. **जनसंख्या–** प्रतापगढ़ जनपद(उ0प्र0) के हाईस्कूल स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान तथा मानविकी वर्ग की ग्रामीण व शहरी छात्र–छात्राएँ।

ii. **प्रतिदर्श–** प्रस्तुत अध्ययन के प्रथम चरण में प्रतापगढ़ के सभी हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों में से यादृच्छिक विधि से ग्रामीण व शहरी परिक्षेत्र के आधार पर कुल 02–02 विद्यालयों का प्रतिचयन किया गया। इसके पश्चात गुच्छ प्रतिदर्श प्रतिचयन प्रविधि के आधार पर छात्र–छात्राओं का प्रतिचयन कर स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रशासन किया गया।

iii. **परीक्षण प्रतिचयन–** प्रस्तुत शोध कार्य के लिए प्रयोगकर्ता द्वारा एक स्वनिर्मित पाठ्य सहगामी क्रिया विधि मापनी का निर्माण किया गया। इस प्रश्नावली में कुल 38 पदों के अन्तिम रूप से संकलित किया गया। इन चयनित पदों में प्रमुख रूप से जिम्नास्टिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बागवानी, महापुरूषों के उद्घोषों, हॉकी, फुटबाल, क्रिकेट तथा शारीरिक शिक्षण क्रियाओं, अभिनय, संगीत, गायन, प्राचीन–चिन्हों व प्रतीकों का संग्रह, परिचर्चा, वार्तालाप, भाषण तथा शब्द विनिर्माण आदि को स्थान दिया गया।

iv. **सांख्यकीय क्रिया विधि–** प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्यों के पूरा करने के लिए माध्य, माध्यिका, प्रतिशतांक, सार्थकता परीक्षण आदि का अनुप्रयोग किया गया है।

v. **प्रशासन–** प्रयोगकर्ता द्वारा निर्मित पाठ्य–सहगामी क्रिया विधि मापनी का प्रशासन 50 विज्ञान तथा 50 मानविकी संवर्ग के प्रतापगढ़ जनपद के हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों पर प्रशासित किया गया।[4–7]

5. **आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–** प्रस्तुत मापनी का अनुप्रयोग कर प्राप्त आँकड़ों को तालिकाबद्ध करके विश्लेषण एवं व्याख्यायित किया गया है। जो निम्नांकित है–

तालिका–01
विज्ञान एवं मानविकी संवर्ग के विद्यार्थियों की चित्तवृत्ति क्रियाएं

क्र0 सं0	विज्ञान संवर्ग के छात्र	प्रतिशताँक	मानविकी संवर्ग के छात्र	प्रतिशताँक
1	विद्यालयी पत्रिका में लेखन	62	खेल व क्रीडा कार्यक्रमों में सहभागिता	66
2	वार्षिकोत्सव में सहभागिता	58	पत्रिका एवं कामिक्स का अध्ययन	62
3	स्वच्छता एवं सफाई कार्यक्रम में सहभागिता	56	शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता	62
4	चार्ट एवं चित्रों का निर्माण	51	वृक्षारोपण कार्यक्रमों में सभागिता	56
5	विशेषज्ञों के व्याख्यान में सहभागिता	43	संगीत व वादन कार्यक्रमों में सहभागिता	51
6	समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का अध्ययन	38	पुस्तकालय में अध्ययन	48
7	पिकनिक पार्टी मे सहभागिता	34	शिक्षक दिवस कार्यक्रमों का आयोजन	40
8	स्मृति चिन्हों आदि का संग्रह	29	कक्षा कार्य व चार्ट पेपर पर कार्य में सहभागिता	31
9	क्रीड़ा एवं , खेल कार्यों में सहभागिता	25	वार्षिकोत्सव में सहभागिता	24
10	शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता	25	स्वच्छता एवं सफाई कार्यक्रमों सहभागिता	23

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि दोनों वर्गों के विद्यार्थियों को समान रूप से पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता के अवसर दिये जाने के बावजूद विज्ञान (गणित) वर्ग के विद्यार्थियों की सहभागिता की श्रेणी आधार प्रतिशत क्रमशः लेखन, क्रियात्मकता, स्वच्छता, कक्षा कार्यों, विशेषज्ञों से सम्पर्क, मनोरंजन, खेल व क्रीड़ा तथा शारीरिक प्रशिक्षण में पायी गयी जबकि मानविकी संवर्ग के विद्यार्थियों की कक्षोत्तर कार्यों में सहभागिता प्रतिशत श्रेणी आधार

क्रमशः खेल व क्रीड़ा, पत्रिकाओं व मनोरंजक तथ्यों का अध्ययन, शारीरिक प्रशिक्षण, वृक्षारोपण, संगीत, वादन, पुस्तकालय, कार्यक्रमों का आयोजन, कक्षा कार्य तथा स्वच्छता कार्यों में पाया गया। इस प्रकार विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की सहभागिता मानसिक कार्य से सम्बन्धित क्रिया–कलापों तथा मानविकी संवर्ग के विद्यार्थियों की सहभागिता शारीरिक व मनोरंजक गतिविधियो में अधिक पायी गयी।

तालिका–02

विज्ञान तथा मानविकी संवर्ग के छात्र–छात्राओं की सहभागिता की सार्थकता का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0 सं0	पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	छात्र प्रतिशत	छात्रा प्रतिशत	क्रान्तिक अनुपात मान	सार्थकता स्वतन्त्रांश
1.	खेल व क्रीड़ा	48	38	1.59	सार्थक नहीं
2	अभिनय	41	35	1.572	सार्थक नहीं
3	शारीरिक प्रशिक्षण	18	22	2.967	.01 स्तर पर सार्थक
4	स्काउट प्रशिक्षण	29	17	3.342	.01 स्तर पर सार्थक
5	परिचर्चा कार्यक्रम	30	26	2.754	.01 स्तर पर सार्थक
6	सामुदायिक कार्य	38	30	2.372	.05 स्तर पर सार्थक
7	स्वच्छता व सफाई	26	49	4.943	.01 स्तर पर सार्थक
8	प्रदर्शिनी	24	25	0.591	सार्थक नहीं
9	मनोरंजक कार्य	22	28	0.343	सार्थक नहीं
10	बगवानी	20	18	0.439	सार्थक नहीं
11	संगीत व गायन	18	43	4.812	.01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट हो जाता है कि कला(मानविकी) व विज्ञान(गणित) संवर्ग के छात्र–छात्राओं के पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अध्ययन में खेल व क्रीड़ा, अभिनय, मनोरंजक कार्य तथा बागवानी आदि गतिविधियों में क्रान्तिक अनुपात मान क्रमशः 1.59, 1.572, 1.572, .343, .439 पाया गया जिसके आधार पर दोनों वर्गों के छात्र–छात्राओं के पाठ्य सहगामी क्रियाओं की सहभागिता में सार्थक अन्तर नहीं है। जबकि प्रतिशत प्राप्तांकों की तुलना में छात्र वर्ग का प्रतिशत, छात्रा वर्ग के प्रतिशत से अधिक है। इसी प्रकार शारीरिक प्रशिक्षण, स्काउट, परिचर्चा, सामुदायिक कार्य, स्वच्छता, प्रदर्शिनी, संगीत व गायन आदि गतिविधियों में प्राप्त प्रतिशत का क्रान्तिक अनुपात मान क्रमशः 2.967, 3.342, 2.754, 2.372, 4.943 और 4.812 पाया गया जिससे स्पष्ट होता है कि बालक एवं बालिका के दोनों संवर्गों के पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता में सार्थक अन्तर पाया गया है। दोनों वर्गों के प्रतिशत प्राप्तांकों के आधार पर तुलना करने पर बालकों की सहभागिता का प्रतिशत बालिकाओं के प्रतिशत से उच्च स्तर का पाया गया।

6. **निष्कर्ष–** इस प्रकार उपरोक्त अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि विज्ञान(गणित) वर्ग से छात्र–छात्राओं आन्तारक पाठयेत्तर क्रिया कलापों में तथा मानविकी वर्ग के छात्र–छात्रायें बाह्य पाठ्य सहगामी क्रियाओं की सहभागिता में अभिरूचि रखते पाये गये। विज्ञान(गणित) वर्ग के विद्यार्थी लेखन, अध्ययन, निर्माण, सुधार व संरक्षण सम्बन्धी गतिविधियों में अग्रणी पाये गये जबकि मानविकी संवर्ग के विद्यार्थी वार्तालाप, भाषण, खेल–क्रीड़ा, संवाद, अभिनय, बागवानी आदि कार्यों में अच्छी सैहभागिता करते पाये गये। सामुदायिक कार्य, प्रदर्शिनी, संगीत कार्यक्रमों दोनों वर्गों की सहभागिता समान पायी गयी। अतः पाठ्य सहगामी क्रियायें प्रत्येक कक्षा व स्तर पर अति आवश्यक है।

सन्दर्भ

1. गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, अल्का(2015) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान सिद्धान्त एवं व्यवहार, प्रकाशन शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ0प्र0।
2. गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, अल्का(2018) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, प्रकाशन शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ0प्र0।
3. सुखिया, एस0 पी0(2006) विद्यालय संगठन एवं स्वास्थ्य शिक्षण, अलोक प्रकाशन, लखनऊ, उ0प्र0।
4. गिलफोर्ड जे0 पी0(1989) शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकीय आधार, मैक्ग्रा हिल बुक कम्पनी, न्यूयॉर्क, यू0एस0ए0।
5. अनातासी, ए0(1947) मनोवैज्ञानिक परीक्षण, मैकमिलन कम्पनी, न्यूयॉर्क, यू0एस0ए0।
6. वनर्न, एम0 डी0(1947) मानवीय अभिप्रेरणा, प्रकाशन मैकमिलन कम्पनी, न्यूयॉर्क, यू0एस0ए0।
7. हरलॉक, ई0 वी0(1989) बाल विकास, मैक्ग्रा हिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, यू0एस0ए0।